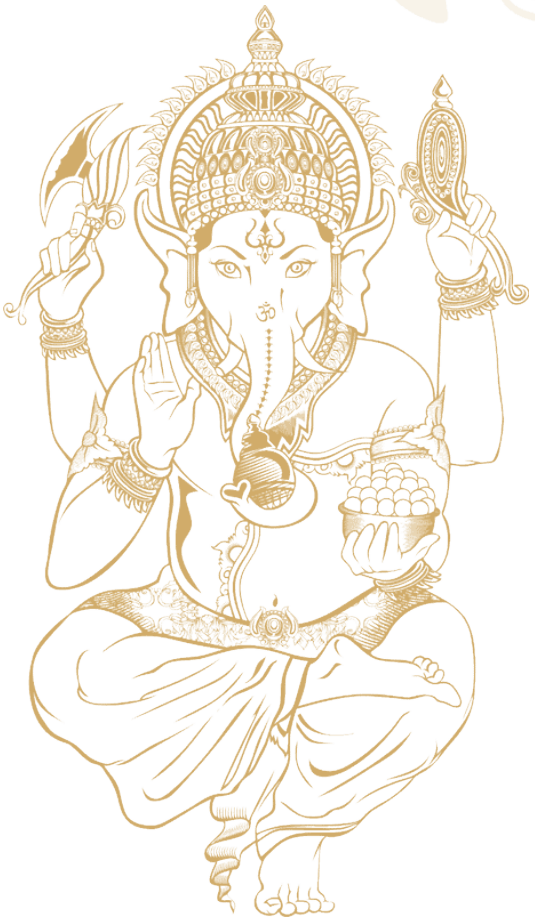

Naveen Rakhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121491804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	25/07/1997
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	23:15:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	45:27:36 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Bikaner
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	05:55:09
16:55:09	सूर्यास्त	19:30:30
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 6मा 9दि	29:59:28	मिथु	लग्न	मीन	24:32:35	बुध 5वर्ष 6मा 28दि
केतु	20:59:59	तुला	सूर्य	कर्क	08:58:55	शुक्र
18/05/2025	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	मीन	25:37:28	22/02/2010
17/05/2032	21:13:20	तुला	मंगल	कन्या	24:35:16	22/02/2030
केतु 14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध	सिंह	04:29:50	शुक्र 23/06/2013
शुक्र 14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु व	मक	25:03:37	सूर्य 24/06/2014
सूर्य 21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	सिंह	08:48:37	चन्द्र 22/02/2016
चन्द्र 20/11/2027	07:22:28	मक	शनि	मीन	26:29:46	मंगल 23/04/2017
मंगल 17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु	सिंह	27:00:13	राहु 23/04/2020
राहु 05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु	कुंभ	27:00:13	गुरु 23/12/2022
गुरु 11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	मक	13:02:12	शनि 22/02/2026
शनि 21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप व	मक	04:37:32	बुध 23/12/2028
बुध 17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	09:05:59	केतु 22/02/2030

लग्न-चलित

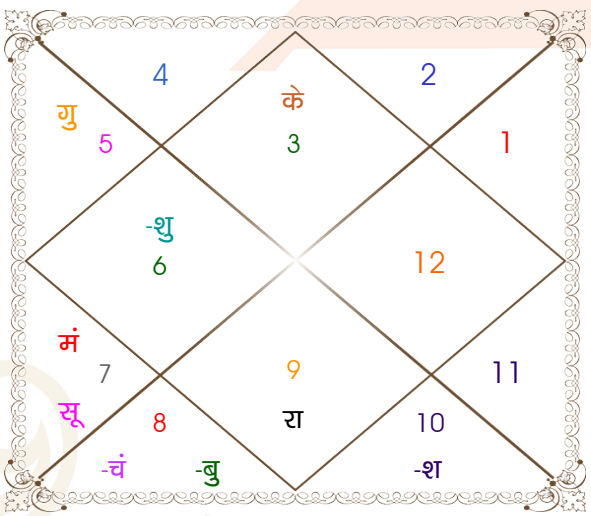

लग्न-चलित

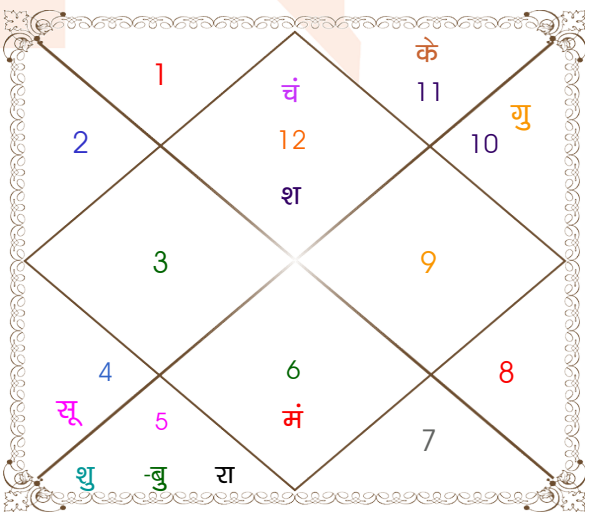

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Rakhi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Rakhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Rakhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Rakhi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Rakhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।